सक्सेस मिरर

वर्ष : 8
अंक : 89
जून : 2017

सफलता का कैप्सूल

Visit us at : www.pdgroup.in

इस अंक में...

6 | आत्म-प्रशंसा अहं का प्रतीक
7 | समसामयिकी घटना संग्रह
8 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ

16 आर्थिक घटना संग्रह

- कर्मचारी भविष्य निधि पर 8·65 प्रतिशत ब्याज को मंजूरी
- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भीम-आधार पे एप लाँच किया
- पेट्रोल और डीजल के दाम 1 मई से रोज तय होंगे
- टाटा समूह ने देश में पहला औद्योगिक रोबोट लाँच किया
- तत्काल टिकट कैंसिल कराने पर 50 प्रतिशत रिफण्ड मिलेगा
- जीएसटी विधेयकों को संसद ने मंजूरी प्रदान की

20 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य सिविल सेवा अभ्यर्थियों की आयु सीमा बढ़ाई
- सीबीएसई का स्कूल परिसरों में व्यावसायीकरण बन्द करने का निर्देश
- गुजरात विधानसभा द्वारा गोहत्या संशोधन बिल पारित

26 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह

- भारत और मलेशिया ने सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए
- अमरीका ने अफगानिस्तान पर सबसे बड़ा बम गिराया
- भारत-आस्ट्रेलिया ने आतंकवाद सहित 6 समझौतों पर हस्ताक्षर किए

31 खेल खिलाड़ी

- भारत वाडा के डोपिंग उल्लंघन चार्ट में लगातार तीसरे स्थान पर
- सौरव गांगुली और रिकी पोंटिंग चैम्पियंस ट्रॉफी के कमेंटेटरों की सूची में शामिल
- तमिलनाडु ने इंडिया बी को हराकर देवधर ट्रॉफी जीती

35 विज्ञान समाचार
37 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

लेख

40 **पर्यावरणीय लेख**—मैंग्रोव वनों की उपयोगिता तथा संरक्षण के प्रयास
42 **ऐतिहासिक लेख**—पिछड़ी जातियों के आन्दोलन : विवेचनात्मक अध्ययन
102 **प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता**
104 **तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-86 का परिणाम**
105 **रोजगार अवसर**

हल प्रश्न-पत्र

आर.बी.आई. असिस्टेंट परीक्षा, 2016

44 **तर्कशक्ति**
63 **संख्यात्मक अभियोग्यता**
67 **English Language**
69 **आगामी नर्सिंग प्रतियोगिता परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न**

बिहार शिक्षक पात्रता परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

76 **प्रथम प्रश्न-पत्र : कक्षा I से V के लिए**
88 **द्वितीय प्रश्न-पत्र : कक्षा VI से VIII के लिए**

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे–इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनीकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टोर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी **'सक्सेस मिरर'** की नहीं है.

➲ **सम्पादक :** महेन्द्र जैन
➲ **रजिस्टर्ड ऑफिस :** 2/11-ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा–2
➲ **सम्पादकीय ऑफिस**
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने
आगरा–मथुरा बाईपास, आगरा–282 005
फोन– 4053333, 2531101, 2530966
फैक्स– (0562) 4053330
ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in
कस्टोमर केयर: care@pdgroup.in

➲ **दिल्ली ऑफिस**
4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली–110 002
फोन– 011-23251844/66

➲ **पटना ऑफिस**
पारस भवन (प्रथम तल),
खजांची रोड,
पटना– 800 004
फोन– 0612-2673340
मो– 09334137572

➲ **कोलकाता ऑफिस**
28, चौधरी लेन, श्याम बाजार
कोलकाता– 700 004
फोन– 033-25551510
मो– 07439359515

➲ **हैदराबाद ऑफिस**
1-8-1/B, आर. आर. कॉम्प्लेक्स
बाग लिंगमपल्ली, हैदराबाद–500 044
फोन– 040-66753330
मो– 09391487283

➲ **हल्द्वानी ऑफिस**
8-310/1, ए. के. हाउस
हीरानगर, हल्द्वानी,
जिला–नैनीताल– 263 139
(उत्तराखण्ड)
मो– 07060421008

➲ **इन्दौर**
63-64, कैलाश मार्ग,
ग्राउण्ड फ्लोर,
श्रीजी एवेन्यू, मलहारगंज,
इन्दौर– 452 002 (म.प्र.)
फोन– 9203908088

➲ **लखनऊ ऑफिस**
B-33, ब्लंट स्क्वायर, कानपुर
टैक्सी स्टैण्ड लेन, मवइंया,
लखनऊ– 226 004
फोन– 0522-4109080
मो– 09760181118

➲ **नागपुर ऑफिस**
1461, जूनी शुक्रवारी,
सक्करदरा रोड, हनुमान
मन्दिर के सामने,
नागपुर–440 009 (महाराष्ट्र)
फोन– 0712-6564222
मो– 09370877776

ईसा ने कहा–

हर कोई जो स्वयं की प्रशंसा करता है
उसे विनम्र किया जाएगा
और हर कोई जो स्वयं को
विनम्र करता है
उसकी प्रशंसा होगी।
अद्‌भुत है ये वचन।।

हम सब जगह, जिधर भी नजर दौड़ाएं, लोगों को, समाजों को, धर्मों को खुद की तारीफ करते हुए पाते हैं, अपने नाम के झण्डे गाड़ने में, जो तत्पर पाते हैं, जो कोई अपनी तारीफ बहुत चातुर्य से कर पाता है, लोगों के मध्य स्वयं को प्रतिष्ठापित कर पाता है, उसको लोग सफल करार करते हैं. उसे 'प्रभावशाली' व्यक्तित्व का धनी कहते हैं, किन्तु ईसा की दृष्टि कुछ और ही देख रही है. वे कह रहे हैं कि 'जो स्वयं की प्रशंसा कर रहा है, उसे विनम्र किया जाएगा, अर्थात् उसे झुकाया जाएगा. उसे यह महसूस कराया जाएगा कि तुम कहाँ स्थित हो ? विराट गुरुजी के शब्दों में कहूँ, तो–

इस दुनिया में अगणित तारे,
तेरा कहाँ हैं अता-पता
पुरखों का तू नाम न जाने,
कैसा गौरव कैसी सत्ता ज़रा
अन्तर ज़मीर विचार ले,
छोड़ दासपने का भार रे।
क्यों सपना रहा हूँ संसार में,
कौन झेल पाया मृत्यु की मार है।।

इस विराट ब्रह्माण्ड में हमारा वजूद है ही कितना ? किन्तु हमारे मनों में, दिलो-दिमाग में पल रहा गौरव कितना बड़ा है ? भयंकर है. हम सब अपनी शान-शौकत बढ़ाने में, उसे दिखाने में व उससे लोगों को रिझाने में लगे रहते हैं. चाहे अमीर हो या गरीब, गृहस्थ हो या गृहत्यागी संन्यासी–सबके घमण्ड के विषय बिन्दु अलग-अलग हो सकते हैं, किन्तु घमण्ड भरी मानसिकता से हर कोई लवरेज है. जिसे अपने भीतर काबिले तारीफ़ खूबियाँ व अन्यों में खामियाँ नजर आती हैं, जो अकड़ कर चलता व लोगों से मिलता है, उसे विनम्र किया जाएगा. जिस चीज का दंभ है, उसी विषय बिन्दु का गम भी झेलना पड़ेगा. अक्सर हमने देखा बौद्धिक तर्कणा शक्ति का दंभ भरने वाले लोग, अन्यों को मूर्ख व बुद्धिहीन करार करने वाले लोग किसी-न-किसी चक्कर में फँस कर कोर्ट केस के लम्बे, ऊबाऊ, बौद्धिक पैंतरेबाजियों के शिकार बन कर दुःख उठाते मिलते हैं. यद्यपि तब भी वे अपनी बुद्धि का दुरुपयोग करना नहीं छोड़ते हैं, न ही बुद्धि का घमण्ड. अब भी अन्यों को पछाड़ने की युक्तियाँ ही लगाते रहते हैं. वे हालातों को बद से बदतर बनाए चले जाते हैं और दूसरों को उनका दोषी करार किए चले जाते हैं. ईसा ने देखा, बुद्धिमानों को लड़ते, बुद्धिहीनों को कुचले जाते, धार्मिक ठेकेदारों को अत्याचार करते व धर्म भीरुओं को शोषित होते. उनकी जिन्दगी में एक दौर ऐसा भी आया जब उन्हें यहूदियों को फटकारना पड़ा. याजकों की चेतावनी देनी पड़ी और तब उन्होंने कहा कि–तुम जिस बात के लिए अपनी प्रशंसा कर रहे हों, वे ही स्थान तुम्हारे दुःखों का सबब बनेंगे, जो लोग धन का दंभ कर रहे हैं वे धन के कारण उत्पन्न तनावों को भोगेंगे, जो संतान को अपनी प्रतिष्ठा का मुद्‌दा बनाते हैं. बात-बेबात खुद की तारीफ करते हैं, वे भी अक्सर अपनी संतान के कारण ही दुःखी देते जाते हैं. भारत में दीन-ए-इलाही धर्म का सूत्रपात करने वाले सुप्रसिद्ध मुगल सम्राट् अकबर ने संतान प्राप्ति के लिए बहुत पापड़ बेले, अन्तःतोगत्वा जब संतान हुई, तो वही उनके दुःखों का सबब भी बनी. महान् सम्राट् सिकन्दर अपने वंश का गौरव किया करता, अपने वंश के कारण ही उसे अपमानित भी होना पड़ा. खैर, बात यह नहीं है कि किसने क्या किया व क्या भोगा ? हमारा विषय यह है कि हम प्राप्त उपलब्धियों के मध्य विनम्र व आभारी, सहृदय व उदार, तटस्थ व खुशमिजाज रह पाते हैं या नहीं ?

> ***"Coins always make sounds …… but paper moneys are always silent so when your value increases, keep yourself silent and humble."***